प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 18 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

श्रीलंका का मुख्य नगर कोलम्बो है। यहाँ कई उद्यान हैं और जगह–जगह फूलों वाले पेड़ लगाए गए हैं। हरियाली की अधिकता के कारण कोलम्बो को उद्यानों का नगर कहते हैं। कोलम्बो एक बहुत बड़ा बन्दरगाह भी है। यहाँ पर पश्चिम से सुदूर पूर्व को जाने वाले जहाज आकर रुकते हैं। प्राचीनकाल में श्रीलंका की राजधानियाँ रही हैं–अनुराधापुर, सीगिरिया, पोलोन्नारुवा, यप्पाहुवा और कैंडी। आज कोलम्बो इसकी राजधानी है। कैंडी एक झील के चारों ओर बसा और पहाड़ियों से घिरा हुआ शहर है। यह बहुत ही सुन्दर नगर है, विशेषतः रात को, जब नगर की चमचमाती बत्तियाँ झील के पानी में झिलमिलाती हैं तो इसकी शोभा देखते ही बनती है। यहाँ एक प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे दलादा मालीगावा या पवित्र दाँत का मंदिर कहते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में भगवान बुद्ध का एक पवित्र अवशेष– उनका एक दाँत रखा हुआ है।

कैंडी का नृत्य श्रीलंका का एक प्राचीन नृत्य है। नर्तकों के बदन पर धोती और सिर पर एक ताजनुमा, सुसज्जित पगड़ी होती है, गले में ढ़ेरों हार होते हैं और बाँहों में बाजूबंद। इनके ढोलक भारतीय मृदंग से मिलते–जुलते हैं। वैसे तो श्रीलंका के अधिकांश निवासी बौद्ध हैं, पर वहाँ हिन्दू, मुसलमान और ईसाई भी रहते हैं। श्रीलंका के निवासियों का मुख्य आहार चावल है। यहाँ के लोग मछली के झोल या सब्जी के साथ चावल खाते हैं। श्रीलंका का एक विशेष पकवान होपर्स कहलाता है। यह चावल के आटे से बना बहुत ही स्वादिष्ट मालपुआ होता है।

द्वीप के दक्षिण–पश्चिम भाग में रत्नपुर नामक नगर है। इसे 'रत्नों का नगर' कहा जाता है। यहाँ अनेक प्रकार के मूल्यवान रत्नों की खानें हैं। इन खानों से नीलम, पुखराज, दूधिया, चंद्रकांत मणि, विडालाक्ष मणि आदि कीमती पत्थर निकाले जाते हैं। यहाँ के रत्न प्राचीन काल से विख्यात हैं। श्रीलंका एक स्वतन्त्र देश है। श्रीलंका का राष्ट्रध्वज लाल रंग का है और उसके एक तरफ हरी और केसरिया रंग की धारियाँ बनी हैं। लाल रंग वाले हिस्से में तलवार धारण किए हुए एक सुनहरे रंग का सिंह है। यह सिंह कैंडी के प्राचीन राजाओं का राजचिह्न है।

1. श्रीलंका के मुख्य शहर का परिचय दीजिए। 2

उत्तर : श्रीलंका का मुख्य शहर है– 'कोलम्बो'। यहाँ कई उद्यान हैं और उनमें फूलों वाले पेड़ हैं। हरियाली की अधिकता के कारण कोलम्बो को उद्यानों का नगर भी कहते हैं। कोलम्बो एक बहुत बड़ा बन्दरगाह है, जहाँ पश्चिम से पूरब को जाने वाले जहाज आकर रुकते हैं। कोलम्बो ही श्रीलंका की राजधानी है।

2. कैंडी शहर की क्या विशेषताएँ हैं? 2

उत्तर : कैंडी शहर एक झील के चारों ओर बसा हुआ है और पहाड़ियों से घिरा है। यह शहर अत्यधिक सुन्दर है, रात को जब शहर की जगमगाती बत्तियाँ झील के पानी में झिलमिलाती हैं, तो इसकी शोभा देखते ही बनती है।

3. श्रीलंका की संस्कृति, धर्म, खान–पान पर प्रकाश डालिए। 2

उत्तर : श्रीलंका के अधिकांश निवासी बौद्ध हैं, किन्तु वहाँ हिन्दू, मुसलमान, ईसाई भी रहते हैं। यहाँ का मुख्य आहार चावल है, जिसे यहाँ मछली के झोल या सब्जी के साथ खाया जाता है। चावल के आटे से बना पकवान 'होपर्स' यहाँ की विशेषता है। यहाँ का एक विशेष नृत्य है जिसे विशेष प्रकार के परिधान व ढेर सारे आभूषणों के साथ किया जाता है।

4. 'रत्नों का नगर' किसे कहा जाता है और क्यों? 2

उत्तर : श्रीलंका के रत्नपुर नामक नगर को 'रत्नों का नगर' कहा जाता है, क्योंकि यहाँ अनेक प्रकार के मूल्यवान रत्नों की खानें हैं। नीलम, पुखराज, दूधिया, चंद्रकांत मणि, विडालाक्ष आदि यहाँ के कीमती पत्थर विश्व–विख्यात हैं।

5. गद्यांश में से दो पर्यायवाची शब्द/समानार्थक शब्द छाँटकर लिखिए। 1

उत्तर : मूल्यवान, कीमती।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : श्रीलंका की संस्कृति।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. शब्द का.....रूप पद है। 1

उत्तर : व्यावहारिक।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. वह जाना चाहता था किन्तु अस्वस्थता के कारण नहीं जा सका। (सरल वाक्य में)
   उत्तर : वह चाहते हुए भी अस्वस्थता के कारण नहीं जा सका।
2. यदि पानी ज्यादा पियेंगे तो गर्मी से बचे रहेंगे। (संयुक्त वाक्य में)
   उत्तर : पानी ज्यादा पियो और गर्मी से बचो।
3. वामीरो ततांरा के सवालों से झुंझला उठी। (मिश्र वाक्य में)
   उत्तर : जब ततांरा सवाल पूछ रहा था तब वामीरो झुंझला उठी।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
   सुलोचना, आदेशानुसार
   उत्तर : सुलोचना– सुन्दर हैं लोचन जिसके (बहुव्रीहि समास)
   आदेशानुसार– आदेश के अनुसार (अव्ययीभाव समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
   सत्य के लिए आग्रह, पाप और पुण्य
   उत्तर : सत्य के लिए आग्रह– सत्याग्रह (तत्पुरुष समास)
   पाप और पुणय– पाप–पुण्य (द्वंद्व समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. सभी बच्चे लोग ध्यान से सुन रहे थे।
   उत्तर : सभी बच्चे ध्यान से सुन रहे थे।
2. अधिकांश भारत के नेता भ्रष्ट हैं।
   उत्तर : भारत के अधिकांश नेता भ्रष्ट हैं।
3. मैं भोजन कर लिया हूँ।
   उत्तर : मैंने भोजन कर लिया है।
4. आशा है आप सकुशलपूर्वक होंगे।
   उत्तर : आशा है आप सकुशल होंगे।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. किस मंत्री पर विश्वास करें, सब एक ही.....हैं।
   उत्तर : थाली के चट्टे–बट्टे(थाली के चट्टे–बट्टे होना)
2. पुलिस ने उस खतरनाक अपराधी को खोजने में.....जोर लगा दिया।
   उत्तर : एड़ी–चोटी का(एड़ी–चोटी का जोर लगाना)
3. लगातार युद्ध चलने से सैनिकों का जोश.....गया।
   उत्तर : ठंडा पड़ (ठंडा पड़ जाना)
4. लाख कोशिश करने पर भी इस हत्या का कोई.....मिला।
   उत्तर : सुराग नहीं (सुराग नहीं मिल सका)

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. आदर्शवादी लोगों का समाज में क्या महत्त्व है? पाठ 'गिन्नी का सोना' के आधार पर उत्तर दीजिए।
   उत्तर : समाज के उत्थान के लिए ऐसे लोगों का होना बहुत आवश्यक है जो खुद ऊपर चढ़ें और सबको साथ लेकर चढ़ें, आगे बढ़ें। यह काम हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास सत्य, अहिंसा, मानवता, प्रेम, ईमानदारी जैसे शाश्वत मूल्य यदि हैं, तो वे आदर्शवादी लोगों की ही देन हैं। उन्हीं के कारण आज भी समाज जीने योग्य बना हुआ है।
2. सआदत अली का परिचय देते हुए बताइए कि कर्नल उसे क्यों खुश रखना चाहता था?
   उत्तर : वजीर अली के पिता थे आसिफउद्दौला और सआदत अली उनका भाई था अर्थात् सआदत अली वजीर अली का चाचा था, किन्तु वह वजीर अली को अपना दुश्मन मानता था, क्योंकि जिस राज–पाट पर वह अपना अधिकार समझता था, वह वजीर अली के जन्म के साथ ही उसे छिनता नजर आ गया था। वही सआदत अली कर्नल का दोस्त था। वह एक ऐशपसन्द आदमी था, इसलिए उसे खुश करके अवध पर कब्जा बनाए रखना अंग्रेजों के लिए आसान था। उसने अपनी आधी जायदाद व दस लाख रुपए कर्नल को दे दिए और दोनों मजे कर रहे थे।
3. डॉ. दास गुप्ता द्वारा घायल लोगों की तस्वीरें खींचने का क्या उद्देश्य था?
   उत्तर : गुलाम भारत में स्वतन्त्रता दिवस मनाए जाने के दौरान डॉ. दास गुप्ता घायलों के इलाज के साथ–साथ तस्वीरें भी खींच रहे थे ताकि पूरे भारत को दिखाया जा सके कि कोल–काता में क्या–क्या हो रहा है? पूरा देश इस बात से परिचित हो सके कि ब्रिटिश सरकार कोलकाता वासियों पर कितने जुल्म और अत्याचार कर रही है ताकि सभी के मन में स्व–तंत्रता प्राप्ति की चिंगारी को सुलगाया जा सके।
4. बस्तियाँ बसने से जीव–जन्तुओं पर क्या प्रभाव पड़ता है?
   उत्तर : जंगलों की जगह बस्तियाँ बनने से जीव–जन्तु, पशु–पक्षी बेघर होकर यहाँ–वहाँ डेरा डाल देते हैं, कुछ दूर चले जाते हैं और कुछ का तो अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो प्राकृतिक असंतुलन भयंकर रूप ले लेगा और अन्य जीवों के साथ–साथ यह धरती हमारे भी जीने योग्य नहीं रहेगी।

8. "रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ लगने लगें तो उनका टूट जाना ही बेहतर है।" पाठ 'ततांरा वामीरो कथा' के आधार पर कथन की 80–100 शब्दों में पुष्टि कीजिए। 5

उत्तर : समय व आवश्यकता के अनुसार हमेशा से नियम-कानून बनते आए हैं। उस समय उनका महत्त्व भी होता है व उपयोगिता भी, किन्तु समय के साथ-साथ जैसे-जैसे वातावरण और जरूरतें बदलती हैं, इन नियम-कानूनों में भी बदलाव आना चाहिए अन्यथा ये बोझ बनने लगते हैं। पाठ 'ततांरा वामीरो कथा' में भी ऐसा ही हुआ। दो गाँवों में विद्वेष की जड़ें गहरी होने के कारण विवाह की निषेध परम्परा बनाई गई थी, किन्तु विद्वेष के कारण तो लोग भूल भी चुके थे, केवल उस निषेध परम्परा का बोझ लिए घूम रहे थे, जिसके कारण एक युवा युगल को अपने प्रेम व जीवन का बलिदान देना पड़ा। यदि सही समय पर उस परम्परा को तोड़ दिया होता और ततांरा-वामीरो के प्रेम को स्वीकृति दे दी जाती तो यह अन्याय न होता। अतः यह कहना सर्वथा उचित है कि रूढ़ियाँ जब बन्धन बन बोझ लगने लगें तो उनका टूट जाना ही बेहतर है।

अथवा

"जो जितना बड़ा होता है, उसे उतना ही कम गुस्सा आता है, परन्तु आता है तो रोकना मुश्किल हो जाता है।" लेखक 'निदा फाजली' के इस कथन को पाठ के सन्दर्भ में 80-100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : लेखक 'निदा फाजली' ने 'अब कहाँ दूसरों.....' पाठ में स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक असन्तुलन और उसके भयंकर परिणामों के लिए तेजी से बढ़ती आबादी ही जिम्मेदार है। मनुष्य ने प्रकृति को सदा से ही अपनी जागीर समझकर इस्तेमाल किया है। अपनी असीम इच्छाओं व जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रकृति को नष्ट करता आया है, किन्तु प्रकृति की सहनशीलता की भी एक सीमा होती है और जब वह सीमा पार हो जाती है तो सैलाब, जलजले, तूफान आदि के रूप में वह अपना रोष प्रकट करके हमें चेतावनी देती है। इसी का एक नमूना कुछ वर्ष पहले मुम्बई में देखने को मिला, जब बिल्डर्स समुद्र के किनारे बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी करते जा रहे थे और समुद्र को सिकोड़ते जा रहे थे, तो पहले तो वह सहन करता रहा, किन्तु सहनशीलता समाप्त होने पर उसने अपनी लहरों पर चलते तीन जहाजों को गेंद की तरह उछालकर दूर फेंक दिया, जिसके भयंकर परिणाम हुए। इसी घटना के आधार पर लेखक ने कहा है कि जो जितना बड़ा होता है, उसे उतना ही कम गुस्सा आता है, किन्तु आता है तो रोकना मुश्किल हो जाता है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. मीरा कृष्ण की सेविका क्यों बनना चाहती है?

उत्तर : मीरा कृष्ण की अनन्य भक्त थीं। उन्हें पाने के लिए वे कुछ भी करने को तैयार थीं। मीरा ने अपने पद में कृष्ण से प्रार्थना की है कि वे उन्हें अपनी सेविका के रूप में स्वीकार कर लें, ऐसा होने पर मीरा हर पल कृष्ण की भक्ति-भावना में ही लीन रहकर उनके लिए कार्य करेंगी, हर पल उन्हीं का स्मरण रहेगा और प्रतिपल कृष्ण के दर्शन कर सकेंगी। यह अवसर प्राप्त करना ही मीरा के लिए जागीर पाने के समान है। इस प्रकार कृष्ण का भजन, सुमिरण व दर्शन, ये तीनों इच्छाएँ वे उनकी दासी बनकर पूरा करना चाहती हैं।

2. कवि 'मैथिलीशरण गुप्त' ने दानवीरों के उदाहरण देकर क्या समझाने का प्रयास किया है?

उत्तर : कवि 'मैथिलीशरण गुप्त' ने 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से मनुष्य जीवन को सार्थक बनाने के उपाय बताते हुए दानवीरों के उदाहरण दिए हैं। उनका मानना है कि जिस प्रकार रंतिदेव ने भोजन का थाल, दधीचि ऋषि ने अपनी हड्डियाँ, राजा क्षितीश ने अपना माँस व वीर कर्ण ने अपना सुरक्षा कवच सहर्ष दान कर दिया था, उसी प्रकार हमें भी परहित में दान करने से पीछे नहीं हटना चाहिए, क्योंकि शरीर तो नश्वर है, उसका दान करके, सदुपयोग करके ही अमर आत्मा को महान बनाया जा सकता है।

3. कविता 'पर्वत प्रदेश में पावस' में तालाब की समानता किसके साथ दिखाई गयी है और क्यों?

उत्तर : तालाब को दर्पण के समान कहा गया है, क्योंकि उसमें पर्वत अपनी पुष्प रूपी आँखों से मानो अपनी छवि निहारते प्रतीत हो रहे हैं। पर्वत दूर तक गोल आकार में फैले हैं और उनके बीच में, नीचे एक बड़ा तालाब है जिसमें पर्वतों की परछाई पड़ रही है। पर्वतों पर हजारों फूल खिले हुए हैं जो उनके नेत्र प्रतीत हो रहे हैं।

4. कवि बिहारी ने कृष्ण के किस रूप की समानता नीलमणी पर्वत से दिखाई है और क्यों?

उत्तर : कवि बिहारी के दोहे उनकी सूक्ष्म दृष्टि के परिचायक हैं। कृष्ण के रूप और सौन्दर्य का वर्णन करते हुए कवि ने कहा है कि कृष्ण सांवले शरीर पर पीले वस्त्र धारण करके ऐसे लगते हैं मानो नीलमणी पर्वत पर धूप पड़ रही हो।

10. कविता 'आत्मत्राण' के माध्यम से कवि किससे व क्या प्रार्थना कर रहे हैं? 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : कविगुरु 'रवीन्द्रनाथ ठाकुर' का मानना है कि ईश्वर सर्वशक्ति-सम्पन्न है, उनके लिए कुछ भी कर पाना सम्भव है, किन्तु फिर भी वे जीवन में सफल होने, आगे बढ़ने के लिए प्रभु पर निर्भर नहीं होना चाहते हैं। उनके अनुसार हमारे प्रयास में सफलता के लिए कोई हमें आशीर्वाद दे सकता है, प्रशिक्षित कर सकता है, हमारा मनोबल भी बढ़ा सकता है, किन्तु दृढ़ निश्चय के साथ कोशिश हमें स्वयं ही करनी होती है। कविता 'आत्मत्राण' में कवि ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि भले ही वे कदम-कदम पर सहारा न दें, उनका हाथ न थामें, किसी के रूप में आकर सांत्वना न दें, किन्तु इतनी कृपा करें कि उनका आत्मविश्वास, साहस, धैर्य व पुरुषार्थ सदा बना रहे, जिसके बल पर वे जीवन में आने वाली कठिनाइयों का, हर प्रकार की परिस्थितियों का सामना कर सकें। इस प्रकार कवि ने ईश्वर से भौतिक सुख-साधनों की कामना न करके उन मानवीय गुणों की कामना की है जिनके बल पर वे जीवन को सफल बना सकें।

अथवा

कबीर के दोहों को 'साखी' क्यों कहा गया है? तर्क सहित उत्तर 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : संत कवि 'कबीरदास जी' ने अपने दोहों से हिंदी साहित्य को समृद्ध बनाया है तथा दैनिक जीवन से उदाहरण देकर भक्ति व नीति का ज्ञान दिया है। कबीर के दोहे 'साखी' विशेषण से प्रसिद्ध हैं। 'साखी' शब्द 'साक्षी' का तद्भव रूप है, जिसका अर्थ है 'प्रत्यक्ष ज्ञान'। कबीर ने जो भी ज्ञान प्राप्त किया वह अपने अनुभवों से किया। उनका अनुभव क्षेत्र अत्यधिक भ्रमण करते रहने के साथ विस्तृत होता चला गया और उन्हीं अनुभवों से प्राप्त प्रत्यक्ष ज्ञान को उन्होंने अपने दोहों के माध्यम से जन–जन तक पहुँचाया है। अतः जिन घटनाओं, जिन विचारों के वे स्वयं 'साक्षी' रहे, उसी को उन्होंने अपने दोहों में उतारकर अमर कर दिया। इस प्रकार उनकी नैतिक शिक्षा व भक्ति से भरपूर 'साखी' कहना पूर्णतः उचित है।

11.

1. "टोपी को इफ्फन की दादी से अत्यधिक लगाव था।" पाठ 'टोपी शुक्ला' के आधार पर 60–70 शब्दों में सिद्ध कीजिए। 3

उत्तर : 'टोपी और इफ्फन', 'टोपी शुक्ला' कहानी के दो मुख्य पात्र हैं। दोनों घनिष्ठ मित्र हैं, जबकि एक हिन्दू है और दूसरा मुसलमान। वास्तव में यह जात–पात उनके परिवारों तक ही सीमित है, उनकी सोच में यह कहीं नहीं है। टोपी बेझिझक इफ्फन के घर आता–जाता है, यहाँ तक कि उसे अपने घर से ज्यादा इफ्फन के घर का वातावरण अच्छा लगता है, विशेष रूप से उसकी दादी। टोपी को अपनी दादी से तो नफरत थी, किन्तु इफ्फन की दादी में उसे अपनी 'माँ की झलक' मिलती थी। वे इन दोनों को कहानी सुनाती थीं, घर के अन्य लोग इन्हें सताते तो वे इन दोनों का ही साथ देतीं, जबकि टोपी की दादी हर समय उसकी डाँट–मार का कारण बनती थी। इफ्फन की दादी से टोपी के लगाव का सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि उसने इफ्फन से दादी बदलने तक की बात कही थी।

2. हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या प्रतिक्रिया थी? 60–70 शब्दों में समझाइये। 3

उत्तर : हरिहर काका सीधे–सादे किसान थे। उनकी साठ बीघा जमीन पर उनके भाइयों और ठाकुरबारी के महंत की पूरी नजर थी। किन्तु हरिहर किसी के भी नाम अपनी जमीन नहीं करना चाहते थे। पूरे गाँव में यह मामला आग की तरह फैल गया था। सभी अपनी–अपनी राय देने लगते थे। प्रगतिशील विचारधारा वाले लोगों का मानना था कि उन्हें जमीन अपने भाइयों को देनी चाहिए, इस पर उन्हीं का हक है। किंतु धार्मिक विचारों वाले लोगों का मानना था कि यह जमीन ठाकुरबारी के नाम की जानी चाहिए क्योंकि यह एक बड़ा दान होगा, पवित्र कार्य करने में ही हरिहर की भलाई है।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **जानलेवा महँगाई**
   ✻ बढ़ती महँगाई ✻ कारण ✻ मुक्ति के उपाय।
2. **मेट्रो रेल–एक उत्तम साधन**
   ✻ स्वरूप ✻ प्रारम्भ ✻ उपयोगिता और महत्त्व
3. **विज्ञापन**
   ✻ विज्ञापन का अर्थ ✻ आवश्यकता ✻ सावधानी

उत्तर :

1. जानलेवा महँगाई

महँगाई मूल्यों में निरंतर वृद्धि, उत्पादन की कमी और माँग की पूर्ति में असमर्थता की परिचायक है। जीवनयापन के लिए अनिवार्य तत्वों रोटी, कपड़ा और मकान की बढ़ती महंगाई ने जनता को पीस कर रख दिया है। महंगाई बढ़ने के अनेक कारण हैं जिसमें जनसंख्या का बढ़ना, कृषि उत्पादनों में कमी, मुद्रा प्रसार एवं स्फीति, देश में बढ़ता भ्रष्टाचार एवं ढुलमुल प्रशासन, धन का असमान वितरण तथा घाटे की अर्थव्यवस्था समान रूप से उत्तरदायी है। जितनी तेजी से जनसंख्या वृद्धि हो रही है उतनी तेजी से वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो पाती। इसलिए व्यापारी लोग वस्तुओं की जमाखोरी करके अधिक दाम में बेचते हैं। सरकारी तंत्र भी इसे रोकने के बजाए बढ़ाने में ही मददगार हैं। महंगाई सरकार की आर्थिक नीतियों की विफलता ही कही जा सकती है। इसके लिए सरकार को कड़ा कानून बनाकर दुकानदार को बेची जाने वाली प्रत्येक वस्तु का मूल्य तथा उसकी कितनी मात्रा उसके पास उपलब्ध है, उसे लिखकर टाँगना अनिवार्य करना चाहिए। जनसंख्या पर रोक लगाकर इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाने की आवश्यकता है जो महँगाई पर अंकुश लगा सके।

2. मेट्रो रेल– एक उत्तम साधन

मेट्रो को दिल्ली की महारानी की संज्ञा दी गई है। इसने दिल्ली की परिवहन व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिया है। यह अत्यंत ही आरामदेह और वातानुकूलित भी है। इससे समय की बचत तो होती ही है, यात्रा भी सुरक्षित रहती है। दिल्ली मेट्रो का प्रारंभ 25 दिसंबर 2002 को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा पहली मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर किया गया। मेट्रो में ऑटोमैटिक टेन प्रोटक्शन सिस्टम लगाया गया है ताकि यह हर दो मिनट के बाद चलाई जा सके। सभी मेट्रो स्टेशन आधुनिक सुख–सुविधाओं से लैस हैं। रेलों के आवागमन की जानकारी और अन्य सूचनाएँ सतत् दी जाती हैं। यहाँ स्मार्ट कार्ड की भी सुविधा है। इससे बार–बार टिकट खरीदने के झंझट से मुक्ति मिलती है तथा किराए में 10 प्रतिशत की छूट भी मिलती है। मेट्रो रेल ने दिल्ली के यातायात की सूरत ही बदल दी है।

3. विज्ञापन

किसी उत्पाद, सेवा को बेचने, या प्रवर्तित करने के उद्देश्य से जो जनसंचार किया जाता है उसे विज्ञापन कहते है। जो विज्ञापन श्रोताओं, पाठकों या उपभोक्ताओं के मन पर जितनी गहरी छाप छोड़ देता है, वह उतना ही प्रभावी विज्ञापन कहलाता है। विज्ञापन उत्पादित वस्तु को लोकप्रिय बनाने और जरूरत महसूस कराने का काम करता है। आज के युग में विज्ञापन एक कला न रहकर एक जरूरत बन गई है। सुबह आँख खुलते ही चाय की चुस्की के साथ अखबार में सबसे पहले विज्ञापन पर ही नजर जाती है। दुकानों से लेकर गाड़ियों तथा दीवारों तक हर जगह विज्ञापन ही विज्ञापन नजर आते हैं। कुछ विज्ञापन वस्तुओं के गुणों को बढ़ा-चढ़ाकर विज्ञापित करते हैं, जैसे- एक महीने में फर्राटेदार अंग्रेजी बोलना सीखें, एक हफ्ते में गंजे के बाल उग आएँगे। टी.वी. पर भी अन्य धर्म-पूजा पाठ से संबंधित तथा अंध विश्वासों को बढ़ावा देकर भ्रमित करने वाले कई विज्ञापन दिए जाते हैं। ऐसे भ्रमित करने वाले विज्ञापनों पर रोक लगाई जानी चाहिए। परन्तु आज के युग के लिए विज्ञापनों की आवश्यकता है। सरकार को विज्ञापनों की सच्चाई की जाँच अवश्य करनी चाहिए तथा शिक्षा, चिकित्सा आदि से संबंधित भ्रमित करने वाले विज्ञापनों पर रोक लगानी चाहिए।

13. दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले किसी कार्यक्रम की आलोचना करते हुए दूरदर्शन निदेशक को एक पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
सेवा में,
दूरदर्शन अधिकारी,
नई दिल्ली।
दिनांक : 19 सितंबर, 2019

विषय- कार्यक्रम की आलोचना व सुझाव हेतु।

आदरणीय महोदय,

मैं आपके दूरदर्शन चैनल पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम 'बिल्कुल सच' के झूठ से व उसके दुष्प्रभाव से आपको परिचित कराना चाहता हूँ।

इस कार्यक्रम में बहुत ही संगीन, घृणित अपराधों के वीभत्स दृश्यों को सच बताकर प्रस्तुत किया जाता है और अपराधों को अंजाम तक पहुँचाने के लिए साजिश रचते हुए इस तरह दिखाते हैं कि कोई बड़ी आसानी से वास्तविक जीवन में उसकी नकल कर सकता है। इस कार्यक्रम को देखने से इंसानियत से, रिश्तों से विश्वास ही उठने लगता है, हर किसी पर शंका होने लगती है। निःसन्देह ऐसे कार्यक्रम समाज में हो रहे अपराधों को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार हैं।

मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस तरह के कार्यक्रमों का प्रसारण तुरन्त बन्द करें व सकारात्मक सोच पैदा करने वाले कार्यक्रम अधिकाधिक मात्रा में लेकर आएँ।

धन्यवाद।

भवदीय,
अजय

अथवा

रेलयात्रा के दौरान रेल में मिलने वाले भोजन के आपत्तिजनक, न्यून स्तर की शिकायत करते हुए रेलवे पुलिस अधीक्षक को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

उत्तर :

परीक्षा भवन,
जयपुर।
सेवा में,
रेल विभाग अधिकारी,
जयपुर।
दिनांक : 31 अगस्त, 2019

विषय- रेलगाड़ी में मिलने वाले खाद्य पदार्थों का न्यून स्तर।

आदरणीय महोदय,

मैं शास्त्री नगर, जयपुर की निवासी हूँ और रेलगाड़ी से दिल्ली, आगरा, हरिद्वार आदि स्थानों पर मेरा आना-जाना लगा रहता है। अपने अनुभवों के आधार पर मैं आपको रेलगाड़ी में मिलने वाले खाद्य पदार्थों की खराब गुणवत्ता की सूचना देना चाहती हूँ।

रेलगाड़ी का सफर महँगा हो गया है किन्तु गुणवत्ता गिरती जा रही है। टिकिट में ही भोजन का शुल्क ले लिया जाता है, किन्तु ट्रेन में मिलने वाला भोजन खाने योग्य ही नहीं होता। अनेक बार शिकायत करने का भी कोई लाभ नहीं हुआ। मैंने स्वयं ट्रेन की रसोई में जाकर देखा, तो दंग रह गई। सभी खाद्य पदार्थ खुले पड़े थे, मक्खियाँ भिनभिना रही थीं, सफाई का नामो-निशान नहीं था। बाकी का हाल यदि आप अपनी आँखों से देखेंगे तो बेहतर होगा।

मुझे आशा है कि आप इस शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए जल्द ही उचित कदम उठायेंगे।

धन्यवाद।

भवदीया,
सुमन

14. अमृत सोसायटी के सचिव होने के नाते सभी सदस्यों से सफाई बनाए रखने की अपील करते हुए 40-50 शब्दों में सूचना जारी करें। 5

उत्तर :

अमृत सोसायटी

सूचना

स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें

दिनांक : 25 मई, 2019

सोसायटी के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि अपने क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने में मदद करें। वातावरण को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। यदि सोसायटी में कोई सदस्य गन्दगी फैलाता हुआ नजर आया तो भारी जुर्माने के रूप में दण्ड भुगतना पड़ेगा।

धन्यवाद।

हितेन तेजवानी

सोसायटी सचिव

अथवा

महाराजा विद्यालय की प्रधानाचार्या की ओर से छात्रों को अनुशासन बनाए रखने की सख्त हिदायत देते हुए 40–50 शब्दों में सूचना जारी करें।

उत्तर :

महाराजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

सूचना

अनुशासन की अपील

दिनांक : 6 नवंबर, 2019

विद्यालय में अनुशासन सर्वोपरि है। सभी अध्यापकों व छात्रों की जिम्मेदारी व कर्त्तव्य है कि विद्यालय में अनुशासित वातावरण बनाए रखने में सहयोग दें। अनुशासन भंग करते हुए पाये गये छात्रों को सख्त सजा दी जायेगी व विद्यालय से निलम्बित किया जा सकता है। सभी नियमों को कृपया अपनी डायरी में पढ़ें।

धन्यवाद।

प्रधानाचार्या

15. दो मित्रों के बीच परीक्षाओं के दिनों के तनाव को लेकर हो रही बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद रूप में लिखिए। **5**

उत्तर :

सुरेन्द्र– अरे, आकाश कहाँ रहते हो? बड़े दिन बाद दिखाई दिये। कहो, पढ़ाई कैसी चल रही है?

आकाश– हाँ दोस्त, पढ़ाई को लेकर इतनी चिन्ता लगी रहती है कि घर से निकलने को मन ही नहीं करता। परीक्षाएँ आने वाली हैं। तुम्हारी तैयारी कैसी चल रही है?

सुरेन्द्र– मेरी तैयारी बस हो रही है। मैं सोच रहा था कि इन दिनों हम सभी कितने तनावग्रस्त हो जाते हैं? क्यों न हम शाम के समय एक निश्चित समय पर खेलने आया करें? इस बहाने आपस में बातचीत भी होगी और थोड़ा शारीरिक व्यायाम भी हो जायेगा।

आकाश– हाँ, यह तो तुम ठीक कह रहे हो। लेकिन हम खेलने के लिए समय कैसे निकालेंगे?

सुरेन्द्र– हर समय घर में बन्द रहकर पढ़ते रहने से भी तनाव ज्यादा महसूस होता है। खुली हवा में थोड़ा खेलने के लिए समय निकालेंगे तो बेहतर पढ़ाई कर सकेंगे।

आकाश– ठीक है तो शाम को छः बजे पार्क में मिलेंगे।

अथवा

मोबाइल फोन लेने की जिद कर रहे बच्चे व माँ के बीच की बातचीत को संवाद के रूप में लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

आरती– माँ, मुझे मोबाइल फोन दिलवा दीजिए, मेरी सभी सहेलियों के पास अपने–अपने फोन हैं।

माँ– तुम्हें जब जरूरत हो, मेरा फोन इस्तेमाल कर सकती हो।

आरती– नहीं, मुझे अपना खुद का फोन चाहिए। कभी भी कुछ काम करना हो या किसी से बात करनी हो तो आपसे फोन माँगू?

माँ– तो क्या हुआ? वैसे भी पढ़ने वाले बच्चों को अपने पास फोन नहीं रखना चाहिए। इससे ध्यान भटकता है।

आरती– माँ, मैं बच्ची नहीं हूँ। मैं जानती हूँ कि फोन का इस्तेमाल कब और कितना करना है?

माँ– तुम्हारी यह जिद बचपना ही है। अभी तुम अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो और विश्वास रखो कि समय आने पर तुम्हें भी फोन मिलेगा, लेकिन जो चीज शौक–शौक में भारी नुकसान करे, उसका क्या लाभ?

आरती– ठीक है माँ, मैं समझ गई। अब फोन के लिए जिद नहीं करूँगी।

16. एक आध्यात्मिक संस्था/ध्यान केन्द्र के लिए 25–50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

उत्तर :

आध्यात्मिक चर्चा

- यदि आप आध्यात्म में रुचि रखते हैं।
- यदि आप जीवन-जगत की सच्चाई को जानना चाहते हैं।
- यदि आप हमेशा खुश रहना व खुशियाँ बाँटना चाहते हैं।

तो आइए, 21 जून, प्रातः 11 बजे से सायं 6 बजे तक होने वाली इस आध्यात्मिक कार्यशाला में भाग लीजिए।

पता:

अखिल भारतीय आध्यात्म संस्थान, नई दिल्ली

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें– 9810203546

अथवा

होली के प्राकृतिक रंगों के लिए 25–50 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

होली के प्राकृतिक रंग

होली के रंग, जीवन में भरे उमंग।
खेलें सब मिलकर संग, इनकी खुशबू कर देगी दंग।

आइए, आजमाइए, ले जाइए .....

चार रंगों के साथ, एक पिचकारी मुफ्त

सम्पर्क

शॉप नं. 15, लाजपत राय बाजार, दिल्ली

मो. नं. 8824495969